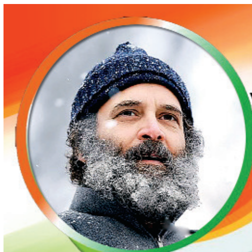

डिजीटल पत्र

कांग्रेस दर्पण

बिहार

दैनिक

पटना, 24 फरवरी, शुक्रवार, 2023

संपादक की कलम से

हमारे कांग्रेस कार्यकर्तागण हम अपने तमाम जिला अध्यक्षों, प्रखंड अध्यक्षों और तमाम कार्यकर्ता से निवेदन करते है कि कांग्रेस दर्पण में अपने जिले और प्रखंड अस्तर की खबर को भेजें जिसे हम प्रमुखता से स्थान देते हैं, यहां कोई भी छोटा और बड़ा नही समझा जाता। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी को एक ताकतवर अध्यक्ष प्राप्त हुआ है और ऐसे में हम कार्यकर्ताओं की जवाबदेही है कि कांग्रेस से जुड़ी हर बात की जानकारी माननीय अध्यक्ष और तमाम कार्यकर्ताओं तक पहुंचाएं। कांग्रेस दर्पण जिसमें एक सशक्त माध्यम है। आज के इस डिजिटल दुनिया में कांग्रेस दर्पण का निर्माण कार्यकर्ताओं को मजबूती प्रदान करने की एक पहल है अकबर इलाहाबादी ने कहा था-

'ना बम निकालो ना तलवार निकालो जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो'

-डॉ0 संजय कुमार,
संपादक, कांग्रेस दर्पण सह काँग्रेस कार्यकर्ता। संपर्क -8252667278

कांग्रेस महाधिवेशन के लिए छत्तीसगढ़ के रायपुर पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर स्वागत करने एयरपोर्ट पहुंचे श्री भूपेश बघेल जी के साथ कांग्रेस समर्थक।

The following all PCC Delegates in Co-option Category can attend the AICC National Conference to be held at RAIPUR on 24th to 26th February, 2023.

BIHAR PCC CO-PTION LIST

1.	Hasib Anwer	(Vaishali)	94304 83310
2.	Raj Kumar Rajan	(Patna)	82108 29844
3.	Durga Prasad Gupta	(Patna)-	9835405532
4.	Shashwat Kedar Pandey,	West Champaran	9873334564
5.	Anam Sultan Khan	(Vaishali)	78705 93542
6.	Nagendra Kr Vikal	(Samastipur)	98010 74404
7.	Kamal Kr Kamlesh	(Madhubani)	98356 67003
8.	Kamal Deo Shukla	(Siwan)	99390 03592
9.	Purshottam Mishra	(Patna)	98350 60779
10.	Gyan Ranjan	(Patna Rural)	82850 09929

11.	Nidhi Pandey	(Sasaram)	70611 11288
12.	Bimlesh Tiwary	(Patna)	77397 01010
13.	Abhishek Ranjan	(West Champaran)	96617 96890
14.	Vinay Yadav	(West Champaran)	97095 54778
15.	Kaiser Ali Khan	(Patna)	99738 62252
16.	Bipin Bihari Yadav	(Bhagalpur)	94308 63087
17.	Piyus Ranjan	East Champaran	9540015153
18.	Ravi Golden	(Nalanda)	87093 14149
19.	Rajnikant Pathak	(Begusarai)	88731 05777
20.	Vijay Mishra	Madhubani	8521714545
21.	Akhileshwar Singh	(Bhojpur)	6299522523
22.	Shanker Jha	(Darbhangha)	9430511999
23.	Mihir Jha	(Madhubani)	9199188668
24.	Pankaj Kumar Singh	(Lakhisarai)	9313082873
25.	Rajendra Singh	(Jamui)	

BIHAR PCC CO-PTION LIST

26.	Lav Kr Pandey	(Aurangabad)-	7542952604
27.	Mrs Abha Singh	(Nawada)	7667970729
28.	Smt. Kiran Patel		
29.	Deepak Kr Singh	(Madhubani)	70330 89955
30.	Rakesh Kumar	Gopal Ganj	9899339892
31.	S.P. Rai	(Bhojpur)	9871327151
32.	Prabhakar Jha	(Nawada)	9430850008
33.	Nakeeb Ekta	(Samastipur)	97089 92477
34.	Daulat Imam	(Patna)	93045 55151
35.	Mritunjay Singh Ganga	(Bhagalpur)	94312 77400
36.	Modassir Shams	(Sitamarhi)	99993 24927
37.	Ashutosh Tripathy	(Buxer)	62070 03494
38.	Md Yasir	(Darbhangha)	93085 95501
39.	Prashant Ojha	(Buxer)	8969400463
40.	Abhijeet Singh	(Aurangabad)	91991 84627
41.	Afak Khan	(Gopalganj)	9162621616
42.	Md Sharik	(Bhagalpur)	78706 03341
43.	Jay Shanker Prasad Suraj	(Nawada)	7004238191
44.	Mukund Kumar	(Samastipur)	79797 20483
45.	Anoop Kumar	(Jehanabad)	87894 87807
46.	Pramod Kr Chandrabanshi		8210146259
47.	Santosh Pandey	(Bhojpur)	9199098120
48.	Shashi Bhushan Pandey	(Buxar)	8969876602
49.	S.M.Sharaf	(Nalanda)	94302 85456
50.	Arsad Abbas Azad	(Munger)	93344 13632
51.	Manoj Pandey	(Buxer)	9431084043
52.	Alok Harsh	(Munger)	9931798945
53.	Anand Kr Jha	(Madhubani)	9973674318
54.	Smt Indu Sinha	(Purnea)	9199720061
55.	Sudhir Kumar	(Saran)	88042 49880
56.	Pawan Yadav	(Madhubani)	7488625249
57.	Ashutosh Dwivedi -	(Gopalganj)	8429371343
58.	Mrs. Fauzia Rana	Patna	9113326003
59.	Ranjit Kumar,	Vaishali,	7992408094
60.	Kundan Gupta	Nalanda)-	
61.	Garib Das	(Begusarai)	9608190984
62.	Asfar Ahmed	(Patna)	9473038786
63.	Md Akhalak	(Samastipur)	97988 56340
64.	Md Abdul Baki "Sajjan"	(Jamui) -	9334121047
65.	Janmotri Mamta Nishad	(W. Champaran)	8527679505
66.	Niraj Yadav -	Patna -	93041 06210
67.	Dr Vivek	Patna -	76025 06825
68.	Nirmal Verma		9312601846
69.	Ravindra Kumar Singh -	Goplaganj -	
70.	Anil Tiwary -	Kaimur -	9934060012
71.	Amit Rao Raghaw -		9931231197
72.	Rakesh Kumar Singh Silar	Aurangabad	9471000071
73.	Sumant Singh	(Rohtas)	8210192362
74.	Maswood Jaffar -	Purnea -	8252005200
75.	Rajesh Ranjan	Bhagalpur	`9431277250
76.	Ms Mala Ram -		8340211471
77.	Gopal Sharma	(Jehanabad)-	9973939326

BIHAR PCC CO-PTION LIST

78.	Radheshyam Kushwaha -		7004533854
79.	Pradhuman Yadav	(Patna)-	9661871040
80.	Parveen Shrama	(Jehanabad)-	7004306495
81.	Nand Bihari Singh	(Kaimur)-	9801587546
82.	Bhaskar Chaudhary	(Madhubani)-	9472818407
83.	Dr. Shahnawaz Choudhary	Rohtas	9431820974
84.	Nazre Hasan	Saran	9852333888
85.	Samar Saahi -		9821100582
86.	Awais Yasin	(Arariya)-	9934897603
87.	Arjun Mandal -		9431259400
88.	Smt. Meena Devi		7546097599
89.	Ajeet Kumar	(Begusarai)	97718 68579
90.	Ratikant Jha -	Darbhangha -	94716 43003

BIHAR PCC CO-PTION LIST (ADDITIONAL)

There are many leaders left out, and it not possible to accommodate them under 15% quota, hence, if possible to accommodate the additional 5% delegates in co-option category the following may kindly be acco9modated in the list.

1.	Rambilash Singh	(Aurangabad)	9199079093
2.	Saurabh Sinha -Patna -	Patna	93085 33054
3.	Deepak Kr Singh	(Madhubani)	70330 89955
4.	Sabir Mastan	Madhubani)	9818246589
5.	Er. Aslam Mohmad,	Kishan Ganj,	9911299592
6.	Lalit Kumar	(Kishanganj)	9386132167
7.	Meer Arshad Hassan -	Nalanda -	9334845513
8.	Vijay Mishra,	Madhubani,	8521714545
9.	Satish Kumar,	Bariyarpur,	7462953536
10.	Abhash Jha,	Godpura,	5300029242
11.	Banty Yadav -	Patna -	93044 14599
12.	Smt. Anita Devi,	Muzaffarpur,	7250434149
13	Dr. Sunita Singh,	Vaishali,	8404852455
14	Jayesh Mangalam		9006162750
15	Md Sahnawaj -		9835639206
16	Rajesh Ranjan		9431277259
17	Mahendra Sahni,	Chorahi,	8406845650
18	Umesh Gupta,	Khodbandhpur,	9708764799
19	Mukhtar Alam,		9934036133
20	Praduman Rai -		8002201649
21	Prem Nath Rai Sharma-		9470657284
22	Afaque Ahmed Khan -		9102107444
23	Gufran Wali -		9431003107
24	Ashok Ram	(Bhojpur)-	9576240835
25	Arvind Kr Singh		8340728365
26	Praveen Kr Sharma	(Jehanabad)-	7004306495
27	Aash Narayan Choudhary	Purnea	

बगैर कांग्रेस महागठबंधन की कोई बिसात नहीं

पटना।कांग्रेस दर्पण

मोदी का विकल्प केवल कांग्रेस पार्टी

डॉक्टर चंद्रिका प्रसाद यादव

सदस्य, पॉलिटिकल अफेयर कमिटी।

कांग्रेस पार्टी, बिहार प्रदेश।

पूर्णिया में 25 फरवरी को महागठबंधन की रैली आयोजित की गई है। यह रैली ऐसे समय में आयोजित की गई है ,जब कांग्रेस पार्टी का महाधिवेशन पूर्व से ही छत्तीसगढ़ के रायपुर में निर्धारित है। इधर , देखा जा रहा है कि महागठबंधन द्वारा आयोजित रैली में न तो राहुल गांधी की तस्वीर पोस्टरों में दिख रही है और न ही सोनिया गांधी की। और तो और कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व का भी फोटो इस रैली के पोस्टरों से गायब है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह चाचा भतीजे की जोड़ी से पूरे देश में चुनाव जीतना संभव है ? आखिर कांग्रेस जैसी बड़ी राष्ट्रीय पार्टी के बगैर यह कैसे मुमकिन हो पायेगा ? कांग्रेस अकेले दम पर पूरे देश में 300 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लडने और जितने के लिए सक्षम है। क्या बिहार की मात्र 40 सीटों से पूरा देश फतह हो जायेगा ? दरअसल, मालूम तो यह पड़ता है की महागठबंधन द्वारा आयोजित यह रैली मात्र चाचा और भतीजे को एक दूसरे से ठगने ठगाने के लिए बुलाई गई है।

असल में यह दोनों पूर्व से भी एक दूसरे को ठग ही रहे हैं। कोई चाचा को देश का प्रधानमंत्री बनाकर ठग रहा है तो कोई भतीजे को बिहार का मुख्यमंत्री बनाकर। दोनों इस बात को भली भांति समझ रहे हैं कि हम लोग एक दूसरे को केवल ठग रहे हैं। फिर भी यह दौर यहां बदस्तूर जारी है।

जरा समझिए कि कांग्रेस जहां पूरे देश में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही है। ऐसी परिस्थितियों में बिहार में कांग्रेस को नजर अंदाज करना कहां तक जायज है। इन्हें तो चाहिए कि मोदी सरकार को सत्ता से बेदखल करने के लिए सभी मिल जुलकर कांग्रेस के नेतृत्व को मजबूत करें। दरअसल, कांग्रेस किसी जात की नहीं अपितु एक बड़े जमात की पार्टी है। जहां सवर्ण भी है और पिछड़ा भी, दलित भी है तो अकलियत समाज भी। इन्हीं कारणों से कांग्रेस पार्टी की स्वीकार्यता सर्व समाज में है। इसलिए किसी भी परिस्थिति में कांग्रेस को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता।

2019 के आम चुनाव के दौर को जरा याद कीजिए। जहां उत्तरप्रदेश, बिहार और झारखंड को मिलाकर लगभग 134 लोकसभा सीटों में बीजेपी को 115 सीटें प्राप्त हुई थी। तब जदयू एनडीए का हिस्सा हुआ करती थी, और लेफ्ट पार्टियों ने भी अलग चुनाव लडा था। लेकिन जिस प्रकार से इस बार महागठबंधन की स्थिति बनी है जिसमें लगभग कई पार्टियां शामिल हैं । उससे तो ऐसा लगता है कि अगर बिहार , झारखंड और यूपी में समाजवादी पार्टी, आरएलडी और अन्य दल एक साथ आकर चुनाव लड़ गए तो यहां बीजेपी 1020 में सिमट कर रह जायेगी। हालांकि, बीजेपी भी इसके लिए कोई कम जुगत नहीं भिड़ा रही। वो छोटे छोटे दलों को अपने साथ जोड़कर एक बड़े वोटबैंक को अपने पाले में लेना चाहती है। ऐसे में महागठबंधन में एक समन्वय बनाकर सभी पार्टियों के साथ मिलकर खुद को और भी मजबूत स्थिति में लाने की जरूरत पर बल देना चाहिए।

इधर, महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी बीजेपी की स्थिति डावा डोल होने वाली है। और दक्षिण भारत में तो चाहे आंध्र हो या फिर तेलंगाना या तमिलनाडु और केरल। इन तमाम जगहों से बीजेपी लगभग गायब है। इन तमाम परिस्थितियों के मद्देनजर ऐसी छोटी बड़ी लगभग सभी पार्टियां जो की बीजेपी के विरुद्ध है और वो मोदी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकना चाहती है। उन्हें चाहिए कि सभी मिलकर कांग्रेस नेतृत्व के हाथों को मजबूत करें। ताकि इन फासीवादी और कम्यूनल ताकत को सत्ता से बेदखल किया जा सके। इसका माद्दा केवल कांग्रेस में ही है। इसके अलावा किसी भी दल की इतनी ताकत नहीं कि वो आज की वर्तमान सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंके।

भाजपाइयों में आज भी नेहरु का खौफ !

पटना।कांग्रेस दर्पण

नेहरु सरनेम से क्या शर्मिंदगी है ?१ऐसा घटिया एवं दुर्गंधीत व्यान मोदीजी ने संसद में देकर राहुल गाँधी को शर्मसार नहीं किया है,स्वयं के संस्कार को उजागर किया है।

आमतौर पर सभी जानते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति का सरनेम उसके परिवार और खानदान से जुड़ा होता है,न कि नाना-मामा के परिवार व खानदान से।हो सकता है मोदीजी के परिवार और खानदान में ऐसा होता हो।किन्तु उपरोक्त व्यान का विश्लेशण करने से लगता है कि निधन के 59 साल बाद भी भाजपाइयों में नेहरु के नाम का इतना खौफ है कि अपनी नाकामी छुपाने के लिए मोदीजी नेहरूजी को ही गलत ठहराकर अपने को अच्छा,सच्चा और विकास पुरुष मान लेते हैं यानी स्वयं मियाँ मिट्ठू।जबकि देश के प्रथम प्रधानमंत्री,स्वतंत्रता की लड़ाई का महान सेनानी,11 साल तक भारत के विभिन्न जेलों में यातना झेलनेवाले,दुनिया को शान्ति का संदेश देनेवाले राजनीति का पुरोधा पं.जवाहरलाल नेहरु देश का ही नहीं विश्व का लोकप्रिय नेता थे।वे कम समय में और सीमित साधन से असीमित विकास किये।उन्होंने स्वतंत्रता के पश्चात राष्ट्र संचालन हेतु लोकतांत्रिक शासन का एक ऐसा ढाँचा तैयार किया,जो आज एक लोक कल्याणकारी राज्य के स्वरुप में झलकता है।उन्होने पंचवर्षीय योजना दी, देश में नवरत्न कम्पनियों की स्थापना की,इसरो जैसा वैज्ञानिक संस्था,आई आई टी, आई आई एम जैसा तकनिकी संस्था,अनेक विश्वविद्यालय,परमाणु बिजली घर,मजबूत सुरक्षा व्यवस्था,अपने नागरिकों के लिए रोटी, कपडा और मकान आदि उपलब्ध कराने की व्यवस्था दी।उन्होने गोवा और पांडिचेरी को भारत मे मिलाया।उन्होंने अपने विकास तथा विद्वता के बल पर अपने को विश्व में स्थापित किये।उन्होने तीन दर्जन से अधिक पुस्तकें लिखी,जो हार्वर्ड युनिवर्सिटी समेत दुनिया के दर्जनों विश्वविद्यालयों में पढ़ाये जाते हैं।छह दर्जन से अधिक देशों में नेहरूजी की मूर्ति स्थापित हुई है।उनके निधन के पश्चात पाँच दर्जन से अधिक राष्ट्र अपना राष्ट्रीय ध्वज झुका दिये थे।कई देशों में नेहरूजी के नाम पर सड़कें और विभिन्न संस्थानें स्थापित है।ऐसे महान अमरसेनानी को गलत सिध्द करने के लिए प्रधानमंत्रीजी बार-बार झूठ का सहारा लेते हैं और अपने अनुभवहीनता का परिचय देते हुए बचकाना हरकत कर हँसी का पात्र बन जाते हैं।

जहाँ निर्लजता हो,वहाँ सभ्यता और संस्कार का जगह नहीं होता।

रमाकान्त सिंह(पूर्व कॉग्रेस प्रत्याशी), डेलीगेट,बिहार प्रदेश कॉग्रेस,पटना, उपाध्यक्ष,जिला कॉग्रेस कमिटी,सिवान।

कांग्रेस महाअधिवेशन रायपुर जाने के क्रम में दिल्ली हवाई अड्डे पर प्लेन से पार्टी के मीडिया विभग के चेयरमैन श्री पवन खेड़ा जी के गिरफ्तारी के विरोध में बिहार प्रदेश कांग्रेस के नेतागण ने रायपुर जाने के क्रम में चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पर धरने पर बैठे।

डॉ चंदन यादव व छत्रपति यादव को बधाई

पटना। कांग्रेस दर्पण

अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के राष्ट्रीय सचिव, पूर्व बेलदौर विधान सभा के प्रत्याशी डॉ चंदन यादव व सदर विधायक छत्रपति यादव को एआईसीसी के निर्वाचित सदस्य चुने जाने पर नगर कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष रौशन चंद्रवंशी और महिला नगर अध्यक्ष शमा प्रवीण ने बधाई देते हुए, मंगलमय राजनीतिक भविष्य की शुभकामनाएं दी। साथ ही अन्य सामाजिक संगठन एवं अत्यंत पिछड़ा समाज के लोगो ने भी हर्षोल्लास प्रकट करते हुए, एकजुटता के साथ कहा कि यह जिले के लिए गर्व की बात है,जो आने वाले दिनों के लिए शुभ संकेत है। कांग्रेस नेता संजीव कुमार ने संसारपुर में सामाजिक संगठन को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संविधान हमें समान नागरिक संहिता, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है, सिर्फ सामाजिक पिछड़ेपन के कारण संविधान उन्हें विशेष संरक्षण प्रदान करता है। आगामी लोकसभा चुनावों से संबंधित उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक अपना मताधिकार का प्रयोग ऐसी राजनीतिक दलो को करे,जो संविधान की प्रस्तावना को बचाए रखे, जातिवाद की बात न हो, धर्म की राजनीति न हो, ऐसी मुद्दो की चर्चा न हो जिससे क्षेत्रीयतावाद को बढ़ावा मिले। इस मौके पर कांग्रेस नेता फुलचन्द्र यादव, प्रदीप कुमार राणा,राजु पोद्दार, घनश्याम दास, दामोदर बजाज, पप्पू पासवान, दिलीप रजक,रंजीत सहनी,दीपक चौरसिया आदि मौजूद थे।

अडानी प्रकरण पर सरकार क्यों

पटना। कांग्रेस दर्पण

अडानी प्रकरण को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर हमला बोला। संवाददताओ को संबोधित करते हुए राज किशोर चौधरी सचिव, बिहार प्रदेश कांग्रेस सोसल मोडिया विभाग सह प्रभारी वैशाली जिला ने कहा कि

'सबका साथ सबका विकास ' का नारा देने वाली भाजपा आजकल मित्रो का साथ अपना विकास वाली पार्टी बन गई है। एक संदिग्ध साख वाला समूह भारत की संपत्तियो पर एकाधिपत्य स्थापित कर रहा है।

आज अडानी प्रकरण पर सरकार कयो चुप है ?इसके धोखाधड़ी के कारण निवेशको का नुकसान हुआ है।

गंभीर आरोपो के बाद भी एल आई सी को अडानी समूह मे निवेश करने केलिय मजबूर किया गया ।

विद्युत, एयर पोर्ट, बंदरगाह, रक्षा हर क्षेत्र मे अडानी ही छागये।

हम चाहते है कि संयुक्त संसदीय समिति (खढउ) से जांच करवायी जाए। पहले भी हर्षद मेहता और केतन पारेख मामले की जांच हो चुकी है।

प्रेस वार्ता मे मुकेश रंजन उपाध्यक्ष, बिहार प्रदेश कांग्रेस विधि एवं मानवाधिकार विभाग, संतोष मिश्रा महासचिव वैशाली जिला कांग्रेस कमिटी एवं गौतम कुमार प्रवक्ता, वैशाली जिला कांग्रेस कमिटी उपस्थित थे।

एक डरपोक तानाशाह सत्ता के लिए अपने काले कारनामे को छुपाने के लिए और किस हद तक गिरेगा ! -कमालुद्दीन रजा

पटना। कांग्रेस दर्पण

आज जिस प्रकार से दिल्ली हवाई अड्डा पर बिना किसी वारेंट बिना किसी वजह के कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता व कम्युनिकेशन विभाग के अध्यक्ष पवन खेरा जी को रोका गया ,साथ ही रणदीप सिंह सुरजेवाला समेत कई कांग्रेस के नेताओं को एयरपोर्ट पर रोका गया यह लोकतंत्र पर हमला है ! कांग्रेस के सभी नेता कांग्रेस के 85 वें अधिवेशन समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। भाजपा और मोदी सरकार के पोल को पुलिस ने खोल दिया के पवन खेरा जी से बैग का झूठ बोलकर के आपका बैग छूट गया और शर्म की बात तो ये है के उस पुलिस वाले को भी रोकने का कारण तक नही मालूम , जिस प्रकार से भाजपा सरकार सत्ता के नशे में मदमस्त होकर बार बार लोकतंत्र को तार तार कर रही है यह भाजपा के हिटलरशाही को दर्शाता है। आखिर भाजपा को कांग्रेस के 85 वें अधिवेशन समारोह से इतना डर क्यों ! दर असल मोदी जी ने जिस तरह से अडानी के मित्रकाल को चलाने का काम किया और देश को बर्बाद करने का काम किया केवल उससे बचने और सत्ता से बाहर जाने के डर से लोकतंत्र तक की परवाह किए बिना कुछ भी करने को तैयार है। मगर भाजपा को मेरी खुली चुनौती है चाहे जितना भी कुछ कर ले 2024 में भाजपा की विदाई तय है। कांग्रेस एक विचारधारा है जिस कांग्रेस ने देश को आजादी दिलाई, इस लिए कांग्रेसी कभी भी नापाक ताकत ,और देश लूटने वाले से डरने वाली नही बल्कि देश को बचाने के लिए अपने लहू को बहा देगी मगर किसी लुटेरे के हाथ में देश को बर्बाद होता नही देखेगी ,और नही छोड़ेगी।

कमालुद्दीन रजा जिला महासचिव युवा कांग्रेस सीतामढ़ी ।

घबराहट में सरकारी तंत्र का दुरुपयोग किया जा रहा है

पटना। कांग्रेस दर्पण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर टिप्पणी के मामले में असम पुलिस ने कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा को गिरफ्तार कर लिया था।

कुछ ही घंटों में उन को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई।

अब असम पुलिस खेड़ा को असम लेकर नहीं जा सकेगी।

बेगूसराय के पूर्व जिला सचिव रणजीत कुमार मुखिया जी ने कहा जयपुर चुनावी रैली में मोदी जी कांग्रेसी की विधवा जैसी टिप्पणी सोनिया के लिए की।

गांधी परिवार नेहरू का सरनेम रखने से क्यों डरता है ?

650 योजनाओं में गांधी नेहरू परिवार का नाम जैसी टिप्पणी अपने देश के पीएम पद की शोभा बढ़ा रहे मोदी जी करते रहे हैं।

उन्होंने 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड जैसे भद्दे शब्दों से ईमानदार पूर्व पीएम मनमोहन सिंह पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि वह बाथरूम में रेनकोट पहनते हैं। गिरफ्तारी तो मोदी जी की होनी चाहिए।

तो कांग्रेस नेता की हो रही है। सच तो यह है कि राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा,हाथ से हाथ जोड़ो अभियान से जनता का रुख कांग्रेस की ओर मूभ कर रहा है जिससे भाजपा के खेमे में डर की भावना बढ़ गई है। घबराहट में सरकारी तंत्र का दुरुपयोग किया जा रहा है।

जो लोकतंत्र के लिए सही नहीं है --------

रणजीत कुमार मुखिया जी

कांग्रेस का 85वां महाअधिवेशन

रायपुर, छत्तीसगढ़

24-26 फरवरी

जिसमें आ रहे हैं:

15 हजार प्रतिनिधि

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य

प्रदेशों के जिला अध्यक्ष

फ्रंटल ऑर्गेनाइजेशन के पदाधिकारी

भारत यात्री

लोकतंत्र की रक्षा में उठा एक कदम

दिनांक 23.2.2023 के प्रखंड कांग्रेश मुख्यालय सिमरी बख्तियारपुर के कार्यालय में सद्भावना रैली पूर्णिया में भाग लेने के लिए बैठक पर चर्चा की गई जिसकी अध्यक्षता कर रहे सिमरी बख्तियारपुर आरजेडी प्रखंड अध्यक्ष मुकेश यादव जी सिमरी बख्तियारपुर युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद आरजू खान कांग्रेस उपाध्यक्ष शब्बीर उद्दीन साहब मोहम्मद एजाज अंजुम हीरा यादव विनोद यादव इंद्रदेव यादव दीपक जाधव खुर्शीद आलम फुलेश्वर यादव पूर्व पैक्स अध्यक्ष फुलेश्वर जाधव अख्तर सिद्दीकी विपिन कुमार भगत धर्मेंद्र शर्मा संगठन मंत्री मोहम्मद शकील तमाम कार्यकर्ता के ब

केंद्र की मोदी सरकार के दमन कारी नीति एवं कांग्रेस के सम्मानित नेताओं को अपमानित करने छत्तीसगढ़ के रायपुर में होने वाले महा अधिवेशन को प्रभावित करने के उद्देश्य से कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं सहित छत्तीसगढ़ के नेताओं पर बेवजह परेशान करने का जो घृणित प्रयास किया उसको लेकर के बेगूसराय में आज लोहिया नगर रेलवे ओवर ब्रिज के पास कांग्रेसियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया और विरोध में नारेबाजी किया सरकार की ओछी मानसिकता एवं गलत नीति के खिलाफ कांग्रेस के साथियों ने जमकर नारेबाजी की.

मुझे कहा गया कि आपके सामान को लेकर कुछ समस्या है, जबकि मेरे पास केवल एक हैंडबैग है।

जब फ्लाइट से नीचे आया तो बताया गया कि आप नहीं जा सकते हैं। फिर कहा गया- आपसे DCP मिलेंगे।

मैं काफी देर से इंतजार कर रहा हूं। नियम, कानून और कारणों का कुछ अता-पता नहीं है।

: Pawan Khera जी

देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और कुशासन पर किया सचेत

पटना।कांग्रेस दर्पण

सिवान जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से एक प्रेस वार्ता के माध्यम से जिलाध्यक्ष डॉ शेखर पांडे ने देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और कुशासन के बीच वर्तमान मोदी सरकार द्वारा चंद पूंजीपतियों की झोली भरने की योजना के खिलाफ देश की जनता को सचेत किया है। उनके अनुसार जनता ने देखा कि किस प्रकार कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सवालो और कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरीदें जी के भाषण के अंशों को संसदीय कार्यवाही से हटवा दिया गया। भारत की जनता को यह जानने का अधिकार है की एक संदिग्ध शाख वाला समूह जिस पर टैक्स हेवन देशों से संचालित विदेशी सेल कंपनियों से संबंध का आरोप है, भारत की सरकार देश के सार्वजनिक उपक्रमों पर उसका एकाधिकार स्थापित करवा रही है। वह संस्था जिसके शेयर लगातार गिरते जा रहे हैं उसे सरकारी बैंकों से भारी मात्रा में धन उपलब्ध कराने की योजना बन रही है। इन सब बातों पर सरकारी एजेंसियां चुप हैं और उल्टे इन सब संदिग्ध गतिविधियों को सुगम बनाने में जुटी हुई है।

हम किसी व्यक्ति के 600 वें स्थान से अमीरों की सूची में पहले स्थान पर आने के खिलाफ नहीं है लेकिन सरकारी संपत्ति को एक-एक कर उसके नाम बेचने की जांच चाहते हैं। बरसों से मोदी जी ईडी ,सीबीआई ,डीआरआई जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग कर अपने राजनीतिक प्रतिद्वंदियों और उनके सहयोगियों को डराने धमकाने का काम करती आ रही है।

आज हवाई अड्डे ,बंदरगाह ,रक्षा क्षेत्र के संसाधन ,विद्युत क्षेत्र ,औद्योगिक क्षेत्र ,सड़क मार्ग निर्माण क्षेत्र एवं सार्वजनिक जीवन की सभी क्षेत्रों को एक-एक कर मोदी सरकार एक व्यक्ति विशेष के हवाले कर देश की जनता को काले अंग्रेजों का गुलाम बनाना चाहती है। आज कांग्रेस पार्टी के महाधिवेशन को विफल करने के लिए के लिए नेताओं के यहां ईडी की छापेमारी चल रही है। रायपुर आने वाले जहाज निरस्त किए जा रहे हैं ।रेलगाड़ियां रास्ते में रोकी जा रही हैं और प्रतिनिधियों को डराया जा रहा है। देश अघोषित आपातकाल से गुजर रहा है ।ऐसी स्थिति में कांग्रेस पार्टी चुप नहीं बैठ सकती ।जनता को जागरूक करने और देश में हो रहे अन्याय का कांग्रेस पार्टी विरोध करती रहेगी ।इस अवसर पर श्री शिवधारी दुबे ,बच्चा तिवारी , अनंत तिवारी ,सुशील कुमार ,नवाजुद्दीन खान ,हाफिज जुबेर अंसारी, ईद मोहम्मद ,बच्चा सिंह ,रमाकांत सिंह ,एसएम फजले हक आदि उपस्थित थे।

पटना से रायपुर छत्तीसगढ़ जा रही साउथ बिहार एक्सप्रेस को चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन घंटो रोकने तथा पवन खेड़ा जी को दिल्ली एयरपोर्ट पर पुलिस द्वारा रोकने से कांग्रेसी आक्रोशित

पटना।कांग्रेस दर्पण

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की 85 वें राष्ट्रीय महाधिवेशन में भाग लेने पटना से 22 फरवरी 2023 को रात्रि 8:30 बजे खुलने के बाद सुबह 8:45 बजे चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पहुंच कर घंटो से रेलवे ट्रैक जाम की बाते कह कर रोके हुए हैं, जबकि स्थानीय अखबारों में सुबह इस बात की खबर छपी हुई थी की 22फरवरी को रेलवे ट्रैक सुबह से जाम था, जिसे शाम मे 4 बजे जाम कर रहे लोगो से बातचीत कर जाम समाप्त करा दी गई, लेकिन आज 23 फरवरी को रेलवे की लापरवाही फिर ट्रैक जाम करा दिया है, वही दिल्ली एयरपोर्ट से इंडिगो विमान से रायपुर जा रहे कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा जी को पुलिस द्वारा रोकने से आक्रोशित कांग्रेस नेताओ ने चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पर जम कर मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

विदित हो की साउथ बिहार एक्सप्रेस से बिहार के 300 से ज्यादा कांग्रेस पार्टी के जनप्रतिनिधि, नेता, कार्यकर्ता, रायपुर कांग्रेस सम्मेलन में भाग लेने जा रहे है, लेकिन ट्रेन के घंटो विलंब होने से 23 के बदले सभी लोग 24 फरवरी को पहुंचेगी।

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह क्षेत्रीय प्रवक्ता विजय कुमार मिठू ने

बताया की साउथ बिहार एक्सप्रेस से विधायक श्रीमती नीतू सिंह, छत्रपति यादव, पूर्व विधायक मो खान अली, बंटी चौधरी,पटना, बेगूसराय, मोतिहारी, सहित कई जिला के अध्यक्ष,ब्रजेश कुमार मुनन,नागेंद्र विकल, सुधा मिश्रा, डा विजय कुमार शर्मा, मोहन शर्मा,सतेंद्र कुमार, रजनीश कुमार, दामोदर गोस्वामी, शिव कुमार चौरसिया, मिथिलेश सिंह, सत्येंद्र नारायण सिंह, मनमोहन शर्मा, राकेश नंदन, मृगाल अनामय, आदि सैकड़ों कांग्रेस पार्टी के नेता, कार्यकर्ता केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेलवे बोर्ड, मिनिस्ट्री ऑफ रेलवे की ट्वीट एवम् मेल कर सूचित करने, तथा स्थानीय चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन प्रबंधक सहित चक्रधरपुर रेलवे जोन के आला अधिकारियों से बाते करने के बाद भी कोई असर नहीं पड़ा जिससे कांग्रेस जन काफी आक्रोशित भी हुए।

नेताओ ने कहा की कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महाधिवेशन से केंद्र की भाजपा सरकार काफी भयभीत है, महाधिवेशन से पहले छत्तीसगढ़ में दर्जनों कांग्रेस पार्टी के लोगो के यहां ईडी की छापेमारी, दिल्ली एयरपोर्ट पर कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा को पुलिस द्वारा बेवजह रोकने, तो कही रेलवे की लापरवाही जग, जाहिर है ।

नेताओ ने कहा की देश को आजादी दिलाने वाली सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी के नेता, कार्यकर्ता, समर्थक मोदी सरकार से डरने वाली नही है, चाहे कुछ भी करे, 85 वा महाधिवेशन देश को नई दिशा देने के साथ, साथ 2024 लोकसभा चुनाव के लिए मिल का पत्थर साबित होगा।

भवदीय
विजय कुमार मिठू

मोदी सरकार हर मुद्दे पर जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति बनाने से क्यों डर रही -जिला कांग्रेस

पटना।कांग्रेस दर्पण

शिवहर----देश में बढ़ती महंगाई , उच्चतम बेरोजगारी और कुशासन के विफलताओं से जनता का ध्यान हटाने के लिए सरकार द्वारा प्रायोजित विभाजन कारी एजेंडे का दंश झेल रहे देशवासियों के साथ कांग्रेस पार्टी कंधे से कंधे मिलाकर खड़ी है। उक्त जानकारी कांग्रेस पार्टी कार्यालय में कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोहम्मद असद ने बताया है कि हम जानना चाहते हैं कि मोदी सरकार इस मुद्दे पर जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति बनाने से क्यों डर रही है जबकि संसद के दोनों सदनों में उसका अच्छा बहुमत है। पार्टी कार्यालय में उन्होंने केंद्र सरकार एवं बिहार सरकार पर खरी-खोटी सुनाते हुए उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार विपक्षी दल होने के नाते हम भाजपाई सत्ता के मित्र पूजींपतियों को सरकारी खजाने की लूट की खुली छूट और प्रधानमंत्री से संबंधित इस पूरी अडानी महा घोटाले में हो रहे घोटालों से भी चिंतित है, इसलिए हम सरकार को उसकी जिम्मेदारी से भागने की इजाजत नहीं दे सकते।

उन्होंने कहा है कि देशवासी जानना चाहते हैं कि कैसे एक संदिग्ध साख वाला समूह जिस पर टैक्स एवं देश से संचालित विदेशी सेल कंपनियों से संबंधों का आरोप है। भारत की संपत्तियों पर एक आधिपत्य स्थापित कर रहा है और इस सब पर सरकारी एजेंसियां या तो कोई कार्यवाही नहीं कर रही या इन सब संदिग्ध

गतिविधियों को ही सुगम बनाने में जुटी है भारत के लोग बहुत बुद्धिमान हैं और यह मोदी जी और उनके मित्र पूजी पतियों के बीच संपूर्ण पारस्परिक तालमेल को समझ सकते हैं।

प्रवक्ता मुकेश कुमार सिंह ने कहा है कि देश जानना चाहता है कि प्रधानमंत्री ने एक मित्र पूंजीपति को विश्व के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बनाने में मदद क्यों की और वह इस गंभीर अंतरराष्ट्रीय खुलासे पर चुप क्यों है।

प्रवक्ता श्री सिंह ने कहा है कि टैक्स हेवन देशों से संचालित होने वाली विदेशी सेल कंपनियों से भारत आने वाले काले धन का असली मालिक कौन है ।क्या हुआ तेरा वादा, वो कसम वो इरादा ,काले धन पर प्रधानमंत्री के वादे का क्या हुआ।

कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि मोदी सरकार ने पिछले 9 सालों में सीएजी ,सीबीआई जैसी सभी सरकारी एजेंसियों और संस्थाओं पर चाहे नियंत्रण कर लिया हो लेकिन सत्य हमेशा सामने आ ही जाता है, उसे ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल कर दबाया नहीं जा सकता है ।उन्होंने आम जनता को आश्वस्त कराया है कि कृपया इंतजार करिए और देखिए यह सिर्फ शुरुआत है, बीजेपी के कई और गुप्त भेद आगे समय में उजागर होंगे।मौके पर प्रमोद राय ,सद्दाम हुसैन, मोहम्मद नसीम अख्तर, मोहम्मद जुबेर आलम, भोला साह, दिनेश आजाद एवं सभी कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

मोदी जी सामंतवाद की पुनर्स्थापना क्यों ?

पटना।कांग्रेस दर्पण

आज ही के दिन, 24 फरवरी 1944 को सेन्ट्रल एक्साइज एंड साल्ट एक्ट के माध्यम से नमक को 'कर मुक्त' कर दिया गया था। एक लंबे ऐतिहासिक-राजनीतिक संघर्ष के बाद देश ने स्वतंत्रता का ये पहला स्वाद चखा था।

लेकिन अभी बीते वर्ष हरदोई में दिया प्रधानमंत्री मोदी का भाषण सुना, जिसमें वो एक महिला के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से ये अवधारणा (स्त्रीशूिस्त्र३ङ्क्ष्ल) गढ़ने का प्रयास कर रहे थे कि ''जनता ने मोदी का नमक खाया है, तो मोदी गद्दारी नहीं करेंगे''..

यहां मुझे तीन बातों से आपत्ति है, और मेरे तीन प्रश्न हैं, पहली बात जनता कभी गद्दार नहीं होती, और वोट न देना गद्दारी कैसे हुआ, यह तो निजी पसंद और वैचारिक अस्मिता का विषय है..इन अर्थों में किसी को वफादार और गद्दार कहना सामंती मानसिकता को दिखाता है, प्रधानमंत्री सामंतवाद की पुनर्स्थापना करना ही क्यों चाहते हैं ?

दूसरी बात, कोई भी दल देश के संसाधनों से ही देश का विकास करता है, फिर ''मोदी का नमक'' जैसे आत्ममुग्ध सामंती विचार प्रधानमंत्री के दिमाग में आए ही क्यों ?

तीसरी बात, जिस बात के लिए प्रधानमंत्री तालियां पीट कर खुद की तारीफ कर रहे हैं, वह वास्तव में उनकी नाकामी है, कारण कि तमाम दावों, योजनाओं के बावजूद प्रधानमंत्री रोजगार दिलाने में असफल रहे हैं, यही कारण है कि देश के 80 करोड़ लोगों को दो वक्त का खाना भी नसीब नहीं है। स्पष्ट है कि अब वो 80 करोड़ लोग जीने के लिए पकौड़ा भी नहीं बेच पा रहे। ऐसे में देश के प्रधानमंत्री को खुश हो के तालियां पीटनी चाहिए क्या ?

आशीष रंजन सिंह
राजनितिक विश्लेषक व
शोधकर्त्ता
दिल्ली विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने जा रहे कांग्रेस नेता पवन खेड़ा जी को हवाई जहाज से उतार कर गिरफ्तार करना दुर्भाग्यपूर्ण एवं घोर निन्दनीय है।पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओ के घर छापा फिर गिरफ्तारी भाजपा सरकार की मानसिकता को दर्शाती हैं।वे कांग्रेस और हमारे नेता राहुल गांधी जी से कितने डरे हुए हैं।अध्यक्ष, बिहार प्रदेश इंडियन कॉंग्रेज ब्रिगेड।

विपक्ष की आवाज को दबाने की मोदी सरकार के मंसूबों पर फिर एक बार फिरा पानी

नूर आलम शेख़ जी ने कहा जिस तरह से पवन खेड़ा जी को झूठ बोलकर फ्लाइट से नीचे उतारा गया और अब ये डी-प्लेन करने की बात कह रहे हैं। यह पूरी तरह से नियम-कानून, संविधान के खिलाफ है विपक्ष संसद में मुद्दे उठाए तो नोटिस दिया जाता है।

महाधिवेशन के पहले छतीसगढ़ के हमारे नेताओ पर एऊका रेड कराया जाता है। आज मीडिया चेयरमेन को जहाज से ज़बरदस्ती उतारकर गिरफ़्तार किया गया। भारत के लोकतंत्र को मोदी सरकार ने हिटलरशाही बना दिया। हम इस तानाशाही की घोर निंदा करते हैं। जैसे मोदी सरकार के भ्रष्टाचार की पोल खुल रही है

2024 में बीजेपी के पास जनता को बताने के लिए चुनाव के समय जनता के बीच जाने के लिए इनके पास कोई मुद्द नही हैं नूर आलम शेख़ जी ने कहा पूरे बीजेपी के नेता हमारे नेता श्री राहुल गांधी जी के सामने खड़ा होने के लिए पूरी ताकत लगा रही है पर टिक नही पा रही है बीजेपी में आज बड़े से बड़े नेता राहुल गांधी जी के सवालों से भाग रहे है।

जय कांग्रेस जय बिहार प्रदेश

नूर आलम शेख़ युवा कांग्रेस सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर अध्यक्ष जिला सीतामढ़ी बिहार

कांग्रेस महाधिवेशन : उत्साह के बीच ऐतिहासिक भूमिका निभाने का अवसर

पटना। कांग्रेस दर्पण

लोगों को स्वतंत्रता व अधिकारों के प्रति जागरूक करते रहना एक अनवरत प्रक्रिया है। यह काम सरकार से कहीं अधिक विपक्ष का है। इसी लिहाज से एक मजबूत विपक्ष ज़रूरी है। इस साल के चुनावों वाले राज्यों में कांग्रेस की सरकारें बनें या न बनें, अगले साल के लोकसभा के चुनाव में वह जीते या न जीते, लोगों की कांग्रेस से अपेक्षा है कि अकेली पार्टी के रूप में हो या संयुक्त विपक्ष के रूप में, सरकार से बड़ा प्रतिरोध का मंच बनाने की जिम्मेदारी उसी की है।

'भारत जोड़ो यात्रा' की सफलता, नये कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ताजपोशी, कई-कई मुसीबतों से केन्द्र व अनेक राज्यों की सत्ता में बैठी भारतीय जनता पार्टी की होती घेराबन्दी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की धूमिल होती छवि के चलते उत्साह से लबरेज कांग्रेस छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में इसी शुक्रवार से अपना तीन दिवसीय महाधिवेशन ऐसे वक्त में करने जा रही है जब उत्तर-पूर्व के 3 राज्य विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और उन्हें मिलाकर कुल 9 राज्यों (अगर जम्मू-कश्मीर के भी हुए तो 10) में उसे मतपेटियों के समक्ष परीक्षा देनी है। अगले ही साल यानी 2024 में देश के आम चुनाव भी होंगे। महाधिवेशन न केवल अपने आप को मुकाबले के लिये तैयार करने का अवसर होगा बल्कि यह भी देखना होगा कि जिस विपक्षी एकता की उससे नेतृत्व करने की अपेक्षा की जा रही है, वह उसके लिये तैयार होती है या नहीं। कांग्रेस की सतत मजबूती ने इस प्रकार का माहौल खड़ा कर दिया है कि देश की ज्यादातर विपक्षी पार्टियां उसके साथ आने के लिये अब तैयार हैं।

देश के सबसे पुराने व ऐतिहासिक महत्व के राजनैतिक दल के इस समागम में यह तय हो जायेगा कि क्या कांग्रेस इस उत्तरदायित्व का निर्वाह अन्य दलों के साथ मिल-जुलकर निभाने की हामी भरती है या मोदी-भाजपा सरकार के सामने मैदान में अकेले ही उतरने की चुनौती स्वीकारेगी। संकेत तो यही हैं कि वह गिने-चुने राज्यों में ही चुनाव पूर्व गठबन्धन करेगी और जिन राज्यों में उसका स्थानीय दलों के साथ वैचारिक व सैद्धांतिक मतभेद है वहां वह 'एकला चलो रे' की राह पकड़ेगी। जो भी हो, रायपुर महाधिवेशन इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि भारत का लोकतांत्रिक भवितव्य देश के मध्य में स्थित इस राज्य से तय होगा। इस आयोजन का महत्व इस बात से भी लगाया जा सकता है कि बौखलाई हुई भाजपा ने अपनी परम्परा के अनुसार इस सम्मेलन के प्रारम्भ होने के ऐन पहले अपनी जांच एजेंसी ईडी को ही मैदान में उतार दिया है। देखना होगा कि क्या कांग्रेस डर के आगे जीत की मंजिल को साध सकेगी?

यह महाधिवेशन पिछले कुछ वर्षों के हुए कांग्रेस सम्मेलनों की तुलना में काफी अलग तरह की भूमिका एवं सन्दर्भों के साथ होने जा रहा है। बहुत पहले न जायें तो पिछला एक दशक ही देखें 2013 के भाजपा के दुष्प्रचार तंत्र का मुख्य निशाना कांग्रेस ही रही। भाजपा व उसकी मातृसंस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रणीत प्रचार में स्वतंत्रता संग्राम से लेकर भारत के नवनिर्माण में उसकी भूमिका व योगदान को नकारने या बदनाम करने, उस परम्परा के राष्ट्र नायकों को लांछित करने, कांग्रेसमुक्त भारत जैसी अलोकतांत्रिक अवधारणा की स्थापना करने व उस एजेंडे को आगे बढ़ाने, एक समावेशी संविधान के प्रति लोगों की आस्था को मिटाने, देश को सम्प्रदाय व जातियों के आधार पर विभाजित करने आदि ऐसे सुनियोजित कृत्य किये गये जिसके कारण कांग्रेस लगातार सिमटती गई। जिन मूल्यों, सिद्धांतों व आदर्शों के बल पर कांग्रेस ने मेलजोल वाला देश रचा था, उसे विभिन्न नीतियों व कार्यक्रमों के जरिये पिछले 9 वर्षों के मोदी काल में तहस-नहस कर दिया गया। अपने स्तर पर कांग्रेस अपने मूल्यों के लिये लड़ती तो रही परन्तु उसकी राजनैतिक शक्ति चुनावी पराजयों व भाजपा के उन उपायों के कारण घटती चली गई जिनमें विरोधी दलों के जनप्रतिनिधियों व नेताओं को प्रलोभन देकर खरीदना या डरा-धमकाकर अपने खेमे में लाना शामिल है। पूरी सरकारी मशीनरी एवं संवैधानिक संस्थाओं को इसी काम में लगा दिया गया कि कांग्रेस समेत सारे विरोधी विचारधारा वाले लोग, संगठन व दल नेस्तनाबूद हो जायें।

2019 में दोबारा बड़ा बहुमत हासिल कर जब मोदी लौटे, वे अधिक स्वच्छंद होकर काम करने लगे। संवाद और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना उनमें पहले ही से नहीं थी, अधिक शक्ति ने उन्हें पहले से भी अधिक स्वेच्छाचारी बना दिया। विरोधी दलों को कुचलकर कई राज्यों में हारने के बाद भी सरकारें बनाई गईं। अनेक विपक्षी दलों के नेताओं, पत्रकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं आदि को खास निशाने पर लिया गया। बड़ी संख्या में लोग अब भी जेलों में हैं। सत्ता से जुड़े कुछ कारोबारियों के हाथों में तमाम उपक्रम बेचे जाने या औने-पौने भावों में सौंपने को राष्ट्रहित में बताया गया। सम्पत्ति कुछ हाथों में सिमटती गई और देश गरीब होता गया।

लोगों को स्वतंत्रता व अधिकारों के प्रति जागरूक करते रहना एक अनवरत प्रक्रिया है

यह बात हमेशा याद रखी जायेगी कि आजादी की लड़ाई में देश का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस के कुछ लोग ही सही, इस सबके बाद भी भाजपा सरकार के खिलाफ डटकर खड़े रहे। जिस गांधी परिवार के तीनों प्रमुख सदस्यों- सोनिया, राहुल व प्रियंका को डराया या बदनाम किया जाता रहा, वे अविचलित रहे और चुनौतियों को स्वीकार करते रहे। 7 सितम्बर, 2022 को राजनीति ने नई करवट ली। देश में लोगों के बीच नफ़रत मिटाने के लिये राहुल गांधी कन्याकुमारी से कश्मीर तक साढ़े तीन हजार किलोमीटर पैदल चले। इस यात्रा में जहां एक ओर वे लोगों से मिलते गये वहीं वे देश की समस्याओं को सुनते और मोदी सरकार की करतूतों का पर्दाफाश करते चले।

लोगों को निर्भीक बनाने उन्होंने 'डरो मत' का नारा दिया। जिसका मजाक उड़ाने और भाजपा-संघ व उनके करोड़ों सदस्यों ने अरबों रुपये फूंक दिये, उसी राहुल ने मोदी को अपनी प्रेस कांफ्रेंसों व आम सभाओं में बेनकाब कर दिया। देश में मोदी ने किस प्रकार घृणा फैलाई, कैसे अपने मित्र उद्योगपति व कारोबारी मित्रों को उन्होंने लाभ पहुंचाया, क्योंकर आज देश में भीषण गरीबी व भुखमरी है- यह सब खोलकर रख दिया। भाजपा की बेचैनी इसलिये और बढ़ गई है क्योंकि बीबीसी फिल्म, हिंडनबर्ग व फोर्ब्स की रिपोर्ट, जार्ज सोरोस आदि के चलते मोदी की छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बिखर गई है। जिस कांग्रेस को प्रयोजनहीन व अप्रासंगिक बतलाने की कोशिशें भाजपा व संघ करते रहे, वह कांग्रेस फीनिक्स की तरह अपनी ही राख से खड़ी होती दिख रही है।

यह बात हमेशा याद रखी जायेगी कि आजादी की लड़ाई में देश का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस के कुछ लोग ही सही, इस सबके बाद भी भाजपा सरकार के खिलाफ डटकर खड़े रहे। जिस गांधी परिवार के तीनों प्रमुख सदस्यों- सोनिया, राहुल व प्रियंका को डराया या बदनाम किया जाता रहा, वे अविचलित रहे और चुनौतियों को स्वीकार करते रहे। 7 सितम्बर, 2022 को राजनीति ने नई करवट ली। देश में लोगों के बीच नफ़रत मिटाने के लिये राहुल गांधी कन्याकुमारी से कश्मीर तक साढ़े तीन हजार किलोमीटर पैदल चले। इस यात्रा में जहां एक ओर वे लोगों से मिलते गये वहीं वे देश की समस्याओं को सुनते और मोदी सरकार की करतूतों का पर्दाफाश करते चले।

लोगों को निर्भीक बनाने उन्होंने 'डरो मत' का नारा दिया। जिसका मजाक उड़ाने और भाजपा-संघ व उनके करोड़ों सदस्यों ने अरबों रुपये फूंक दिये, उसी राहुल ने मोदी को अपनी प्रेस कांफ्रेंसों व आम सभाओं में बेनकाब कर दिया। देश में मोदी ने किस प्रकार घृणा फैलाई, कैसे अपने मित्र उद्योगपति व कारोबारी मित्रों को उन्होंने लाभ पहुंचाया, क्योंकर आज देश में भीषण गरीबी व भुखमरी है- यह सब खोलकर रख दिया। भाजपा की बेचैनी इसलिये और बढ़ गई है क्योंकि बीबीसी फिल्म, हिंडनबर्ग व फोर्ब्स की रिपोर्ट, जार्ज सोरोस आदि के चलते मोदी की छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बिखर गई है। जिस कांग्रेस को प्रयोजनहीन व अप्रासंगिक बतलाने की कोशिशें भाजपा व संघ करते रहे, वह कांग्रेस फीनिक्स की तरह अपनी ही राख से खड़ी होती दिख रही है।

सच कहा जाए तो रायपुर के इस महाधिवेशन में कांग्रेस 3570 किलोमीटर की यात्रा करके आ रही है। 138 वर्षों से उसकी यह यात्रा सतत जारी है। इस यात्रा ने पार्टी को नवजीवन प्रदान किया है। अब देखना यह है कि महाधिवेशन के करीब डेढ़ हजार पदाधिकारी कैसी रणनीति बनाते हैं जो देश में संविधान सम्मत ऐसा समाज बनाने का मार्ग प्रशस्त करे जिसमें समानता, स्वतंत्रता, बन्धुत्व और धर्मनिरपेक्षता के मूल्य पुनर्स्थापित हों। वह समाज जो समावेशी हो और जिसमें सभी लोगों व वर्गों की व्यक्तिगत व सामूहिक तरक्की की राहें खुलती हों। वह समाज जो गैर बराबरी को नकारे और एक न्यायपूर्ण देश की नींव को मजबूत करे।

लोगों की अपेक्षाएं पहले के मुकाबले कांग्रेस से बढ़ी हैं क्योंकि वे अब जान गये हैं कि देश का नेतृत्व करने और उसे मजबूती प्रदान करने में केवल वही सक्षम है। अन्य विपक्षी पार्टियों का व्यवहार भी यह देश पिछले 9 सालों से देख रहा है। जिस निर्भीकता और मुखरता से कांग्रेस ने भाजपा और उसकी सरकारों के खिलाफ आवाजें उठाई हैं, उसकी विश्वसनीयता और स्वीकार्यता दोनों ही बढ़ी है। जिन लोगों में नागरिक बोध है, वे जानते हैं कि जिस मात्रा में लोगों के, खासकर नई पीढ़ी में झूठ के जरिये ज़हर भरा गया है, रातों-रात परिवर्तन की उम्मीद नहीं की जा सकती। लोगों को स्वतंत्रता व अधिकारों के प्रति जागरूक करते रहना एक अनवरत प्रक्रिया है।

यह काम सरकार से कहीं अधिक विपक्ष का है। इसी लिहाज से एक मजबूत विपक्ष ज़रूरी है। इस साल के चुनावों वाले राज्यों में कांग्रेस की सरकारें बनें या न बनें, अगले साल के लोकसभा के चुनाव में वह जीते या न जीते, लोगों की कांग्रेस से अपेक्षा है कि अकेली पार्टी के रूप में हो या संयुक्त विपक्ष के रूप में, सरकार से बड़ा प्रतिरोध का मंच बनाने की जिम्मेदारी उसी की है। इतिहास ने उसे एक बार फिर से यह अवसर दिया है।